दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
वर्षः- 06
अंकः- 172
मुरादाबाद
(Monday)
12 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

'ओम ऐं ह्रीं क्लीं ब्रह्मचारिण्यै नमः'

वह जिसका कोई आदि या अंत न हो, वह जो सर्वव्याप्त, सर्वश्रेष्ठ है और जिसके परे कुछ भी नहीं। जब आप आँखे बंद कर के ध्यानमग्न होते हैं तब अनुभव करते हैं कि ऊर्जा अपनी चरम सीमा या शिखर पर पहुँच जाती है। तब वह देवी माँ के साथ एक हो गई है और उसी में ही लिप्त हो गई है। दिव्यता, ईश्वर आपके भीतर ही है, कहीं बाहर नहीं।आप यह नहीं कह सकते कि मैं इसे जानता हूँ, क्योंकि यह असीम है; जिस क्षण 'आप जान जाते हैं', यह सीमित बन जाता है। और आप यह नहीं कह सकते कि मैं इसे नहीं जानता, क्योंकि यह वहीं है – तो आप कैसे नहीं जानते? क्या आप कह सकते हैं कि मैं अपने हाथ को नहीं जानता। आपका हाथ तो वहाँ है, है न? इसलिए, आप इसे जानते हैं। और साथ ही में यह अनंत है अतः आप इसे नहीं जानते। यह दोनों अभिव्यक्ति एक साथ चलती हैं। अगर कोई आपसे पूछे किक्या आप देवी माँ को जानते हैं? तब आपको चुप रहना होगा क्योंकि अगर आपका उत्तर है कि मैं नहीं जानता तब यह असत्य होगा और अगर आपका उत्तर है कि हाँ मैं जानता हूँ तो तब आप अपनी सीमित बुद्धि से उस 'जानने' को सीमा में बाँध रहे हैं। यह (देवी माँ) असीमित, अनन्त हैं जिसे न तो समझा जा सकता है न ही किसी सीमा में बाँध कर रखा जा सकता है। 'जानने' का अर्थ है कि आप उसको सीमा में बाँध रहे हैं। क्या आप अनन्त को किसी सीमा में बाँध कर रख सकते हैं? अगर आप ऐसा कर सकते हैं तो फिर वह अनन्त नहीं। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है वह जो असीम, अनन्त में विद्यमान, गतिमान है। एक ऊर्जा जो न तो जड़ न ही निष्क्रिय है, किन्तु वह जो अनन्त में विचरण करती है। यह बात समझना अति महत्वपूर्ण है – एक है गतिमान होना, दूसरा विद्यमान होना। यही ब्रह्मचर्य का अर्थ है। इसका अर्थ यह भी है कि तुच्छता और निम्नता में न रहना अपितु पूर्णता से रहना। कौमार्यावस्था ब्रह्मचर्य का पर्यायवाची है क्योंकि उसमें आप एक सम्पूर्णता के समक्ष हैं। वासना हमेशा सीमित बँटी हुई होती है, और चेतना का मात्र सीमित क्षेत्र में संचार होता है। इस प्रकार ब्रह्मचारिणी सर्वव्यापक चेतना है।

सदैव मां का आशीर्वाद बना रहे :नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि देशवासियों पर सदैव मां का आशीर्वाद बना रहे। पीएम मोदी के अलावा कई अन्य नेताओं ने भी शुभकामनाएं दी हैं। नवरात्रि के प्रथम दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं की ओर से देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, शक्ति-साधना के महापर्व नवरात्रि की सभी देशवासियों को कोटि-कोटि शुभकामनाएं। मां जगदंबा की कृपा से सबके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य का वास हो, जो राष्ट्र की एकता एवं प्रगति के संकल्प को और सशक्त करे।- देशवासियों पर सदैव मां का आशीर्वाद बना रहे%- प्रधानमंत्री की ओर से एक और पोस्ट में लिखा गया, %नवरात्रि के शुभारंभ पर शांति की अधिष्ठात्री मां शैलपुत्री के चरणों में कोटिश- नमन। उनकी दिव्य कृपा से सभी के मन में धैर्य और आत्मविश्वास का दीप प्रज्वलित हो। देशवासियों पर सदैव मां का आशीर्वाद बना रहे, यही कामना है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पोस्ट में लिखा, आप सभी को शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। नवरात्रि के प्रथम दिवस पर मां शैलपुत्री के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन और वंदन। मां का दिव्य स्वरूप हमें प्रकृति के प्रति श्रद्धा, जीवन में दृढ़ता और प्रत्येक परिस्थिति में अडिग रहने की प्रेरणा देता है। आदिशक्ति मां शैलपुत्री सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार करें स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने भी दीं शुभकामनाएं जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आए। मां दुर्गा से सभी देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख और कल्याण की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के फेज-2 के पूनमल्ली-वडापलानी कॉरिडोर का उद्घाटन किया। करीब 4,900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस कॉरिडोर के उद्घाटन के बाद उन्होंने पोरूर बाईपास से पूनमल्ली बाईपास स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया। इस दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के फेज-2 के पूनमल्ली-वडापलानी कॉरिडोर का उद्घाटन किया। करीब 4,900 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस कॉरिडोर के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने पोरूर बाईपास स्टेशन से पूनमल्ली बाईपास स्टेशन तक मेट्रो में सफर भी किया और फिर वापस लौटे। इस दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के इस दौरे में सड़क, रेलवे, बंदरगाह, ऊर्जा, शिक्षा और चिकित्सा अनुसंधान से जुड़ी कई अहम परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं का मकसद राज्य में कनेक्टिविटी बेहतर करना, सफर आसान बनाना, कारोबार को बढ़ावा देना और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। विभिन्न कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पीएम मोदी आईआईटी मद्रास पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आईआईटी मद्रास में सुधा गोपालकृष्णन ब्रेन सेंटर (SGBC) को देश को समर्पित किया। इसके साथ ही अब यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अभियान की शुरुआत भी करेंगे, जिसके तहत 100 से अधिक मानव मस्तिष्कों का अध्ययन कर उनकी कोशिकीय स्तर तक की विस्तृत त्रि-आयामी संरचनाएं तैयार की जाएंगी। इस शोध में भ्रूण अवस्था से लेकर बुढ़ापे तक जीवन के अलग-अलग चरणों को शामिल किया जाएगा। इससे मानव मस्तिष्क की बनावट और उम्र के साथ उसमें होने वाले बदलावों को समझने में शोधकर्ताओं को मदद मिलेगी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के पूनमल्ली-वडापलानी कॉरिडोर का उद्घाटन किया। इस परियोजना पर करीब 4,900 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने पोरूर बाईपास स्टेशन से पूनमल्ली बाईपास स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी इस दौरान मौजूद रहे। चेन्नई मेट्रो के विस्तार से शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलने और लोगों की आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। 3,700 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं से सुधरेगी कनेक्टिविटी-प्रधानमंत्री करीब 3,700 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं से तमिलनाडु में सड़क संपर्क बेहतर होगा, यात्रा में लगने वाला समय कम होगा और शहरों में ट्रैफिक का दबाव घटाने में मदद मिलेगी। बेहतर सड़क नेटवर्क से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और राज्य की आर्थिक तरक्की को गति मिलने की भी उम्मीद है ĐNH-744 के 36 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-744 के वडुगपट्टी-तेरकुवेंगनल्लूर खंड का उद्घाटन करेंगे। करीब 36 किलोमीटर लंबे इस हिस्से को चार लेन का बनाया गया है। इससे इलाके के प्रमुख धार्मिक स्थलों, औद्योगिक केंद्रों और व्यापारिक क्षेत्रों तक पहुंचना आसान होगा। सड़क बेहतर होने से यात्रियों के साथ-साथ सामान ढोने वाले वाहनों को भी सुविधा मिलेगी। इससे लोगों और माल की आवाजाही पहले के मुकाबले अधिक सुगम हो सकेगी।मदुरै में 30 किलोमीटर लंबी रिंग रोड से मिलेगी राहत- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-744ए के तहत मदुरै रिंग रोड के 30 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले हिस्से का भी उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना का उद्देश्य शहर के आसपास यातायात को बेहतर तरीके से संचालित करना और अंदरूनी इलाकों में लगने वाले जाम को कम करना है। रिंग रोड के चालू होने से वाहनों को शहर के व्यस्त हिस्सों से होकर गुजरने की मजबूरी कम हो सकती है। इससे स्थानीय लोगों और दूसरे शहरों से आने-जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।तिरुवरूर बाईपास से शहर के भीतर कम होगा ट्रैफिक- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-83 के नागपट्टिनम-तंजावुर खंड पर तिरुवरूर बाईपास की आधारशिला रखेंगे। इस बाईपास को चार लेन का बनाया जाना है। परियोजना से तिरुवरूर में सड़क संपर्क मजबूत होगा और शहर के बीच से गुजरने वाले वाहनों को वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इससे शहर के अंदर यातायात का दबाव कम करने और वाहनों की आवाजाही को आसान बनाने में मदद मिलेगी।750 करोड़ रुपये से ज्यादा की रेलवे परियोजनाओं की सौगात- प्रधानमंत्री 750 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को देश को समर्पित करेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। इनमें कराईकल-परलम रेलवे लाइन भी शामिल है, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क मजबूत होगा। इसके अलावा, कोयंबटूर और आसपास के इलाकों में तीन रेल फ्लाईओवर भी जनता को समर्पित किए जाएंगे। इन फ्लाईओवरों से व्यस्त रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाला जाम कम करने, लोगों का इंतजार घटाने और सड़क सुरक्षा बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।पांच अमृत रेलवे स्टेशनों का भी होगा उद्घाटन- प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नए सिरे से विकसित किए गए पांच रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इनमें पलानी, वेल्लोर कैंटोनमेंट, अंबासमुद्रम, परमाकुडी और नमक्कल स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों को बेहतर यात्री सुविधाओं और आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया गया है। स्टेशन पुनर्विकास का उद्देश्य यात्रियों के लिए रेल यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाना और रेलवे परिसरों को बेहतर स्वरूप देना है। चेन्नई पोर्ट पर चार नई सुविधाओं की शुरुआत- प्रधानमंत्री चेन्नई पोर्ट पर चार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें पक्का स्टोरेज यार्ड, चार आयात-निर्यात गोदाम आधुनिक बनाया गया क्रूज टर्मिनल और सीफेरर्स क्लब शामिल हैं। इन परियोजनाओं से माल रखने और उसकी ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी। क्रूज टर्मिनल के आधुनिकीकरण से एक साथ अधिक यात्रियों के चढ़ने और उतरने की सुविधा मिलेगी। वहीं, सीफेरर्स क्लब में समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले नाविकों और कर्मचारियों के लिए आधुनिक सुविधाएं, मनोरंजन और अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। ङ्कह्र चिदंबरनार पोर्ट पर आठ बड़ी परियोजनाओं को मिलेगी गति- प्रधानमंत्री वीओ चिदंबरनार पोर्ट पर आठ प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और कुछ की आधारशिला रखेंगे।

तमिलनाडु को पीएम की सौगातः चेन्नई मेट्रो के फेज टू कॉरिडोर का किया उद्घाटन, आईआईटी मद्रास पहुंचे प्रधानमंत्री

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर अखिलेश ने अर्पित की श्रद्धांजलि, बोले-पैसों की खनक के आगे बेच दिया गया सेंटर

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर अखिलेश यादव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सपा मुखिया ने जेपीएनआईसी में लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गोमतीनगर स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) पहुंचे। यहां उन्होंने जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने जेपीएनआईसी की स्थिति को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। कहा कि पैसों की खनक के आगे सेंटर बेच दिया गया। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन का दावा करते हुए भाजपा और चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए। जेपीएनआईसी के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम- अखिलेश यादव के पहुंचने से पहले जेपीएनआईसी के मुख्य गेट को टीन की चादरों से ढक दिया गया था। परिसर के आसपास बैरिकेडिंग की गई थी और पुलिस के साथ पीएसी के जवान तैनात रहे। उन्होंने केंद्र की स्थिति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर इसे कितने रुपये में बेचा गया होगा।उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के योगदान को याद करते हुए कहा कि जेपी हमेशा दबे-कुचले लोगों के अधिकारों के लिए खड़े रहे। अखिलेश ने कहा कि जनता को जितनी पीड़ा होगी, बदलाव उतनी ही तेजी से आएगा2027 में सत्ता परिवर्तन का दावा- अखिलेश यादव ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में बदलाव होगा और इसकी शुरुआत हो चुकी है। चुनाव लड़ने की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने पवन सिंह का जिक्र किया। कहा कि पवन की हवा में अहंकारी लोग टिक नहीं पाएंगे। भाजपा में टिकट वितरण को लेकर सवाल उठाते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को भी टिकट के लिए पार्टी के नेताओं के बीच लाइन में लगना पड़ता है। उन्होंने सवाल किया कि क्या मुख्यमंत्री खुद टिकट बांटते हैं और क्या वह दूसरे नेताओं का टिकट पक्का करा सकते हैं। भाजपा पर अन्याय करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता सब समझ चुकी है। चुनाव आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल-सपा अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग की जिम्मेदारी अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करना है। आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान लोगों को वोट डालने से रोका जाता है। दिल्ली में उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा भी उठाया। इस दौरान उन्होंने हिटलर के शासन का जिक्र करते हुए मौजूदा हालात पर टिप्पणी की और चुनाव आयोग से इस्तीफे की मांग की।पार्किंग और निर्माण कार्यों का किया जिक्र- जेपीएनआईसी को लेकर अखिलेश यादव ने सरकार से सवाल किया कि क्या प्रदेश में इस तरह की कोई दूसरी इमारत है। उन्होंने केंद्र में बने हेलीपैड और करीब 1200 गाड़ियों की पार्किंग का जिक्र किया। एयरपोर्ट से तुलना करते हुए 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी सामने रखा। इसके साथ ही जेपीएनआईसी के ठेकेदारों और निर्माण कार्यों के भुगतान को लेकर सवाल उठाए।

'हाथ जोड़कर सीजेआई से गुजारिश करेंगे':खरगे बोले- देश में अघोषित इमरजेंसी जैसे हालात, पीएम पर साधा निशाना

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खद्धगे ने बताया कि वह और राहुल गांधी सोमवार को मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात कर देश के हालात पर अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे कोई मांग नहीं करेंगे, बल्कि हाथ जोड़कर अनुरोध करेंगे।कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि वह कल भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात के लिए शाम 4 से 5 बजे के बीच का समय तय किया गया है। खरगे ने बताया कि उन्होंने खुद और राहुल गांधी ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखा है। इस दौरान वे उन्हें देश के मौजूदा हालात से अवगत कराएंगे। खरगे ने साफ कहा कि वे मुख्य न्यायाधीश से किसी तरह की मांग नहीं करेंगे, बल्कि हाथ जोड़कर अपनी बात रखने और उनसे गुजारिश करने जाएंगे। 'हम कोई मांग नहीं करेंगे, सिर्फ अपनी बात रखेंगे'-मल्लिकार्जुन खरगे कहा कि मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात के दौरान उनका तरीका पूरी तरह विनम्र रहेगा। वे किसी

तरह का दबाव बनाने या कोई मांग रखने नहीं जा रहे हैं। खरगे के मुताबिक, वे हाथ जोड़कर उनसे अनुरोध करेंगे और देश में जो कुछ हो रहा है, उसके बारे में अपनी बात बताएंगे। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात का मकसद मुख्य न्यायाधीश को मौजूदा हालात से अवगत कराना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले में उनकी बात और उनके अनुरोध को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के मौजूदा हालात को लेकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अव्यवस्था का माहौल प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की वजह से पैदा हो रहा है। खरगे ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात बनाए जा रहे हैं। उनके मुताबिक, इन परिस्थितियों के खिलाफ ही कांग्रेस अपनी लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाना जरूरी है।खरगे ने पुलिसकर्मियों की भारी तैनाती का जिक्र करते हुए भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल करीब 32 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। खरगे के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती अपने आप में बताती है कि सरकार को कितना डर है। उन्होंने इस तैनाती को अपने आरोपों के समर्थन में पेश करते हुए कहा कि इससे साफ होता है कि सत्ता पक्ष किस तरह की आशंका में है। खरगे ने कहा कि इन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही पूरे मामले को समझना चाहिए। कांग्रेस की ओर से मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखे जा चुके हैं और मुलाकात के लिए शाम 4 से 5 बजे का समय तय किया गया है।

संपादकीय Editorial

The True Light of the Medical Field

We witnessed a fair of medical degrees at the AIIMS campus in Bilaspur. Eighty-nine students, equipped with medical knowledge, received their degrees from President Draupadi Murmu, while also raising concerns. While the President presented gold medals amid praise for excellent education, she also emphasized the importance of ensuring that ethical practices remain within the profession. The true light of the medical field lies in serving remote areas. The lines of the convocation address touch the heart of medical services in Himachal, and these lamps should burn far and wide. Clearly, we see a revolution in Himachal's medical field in the establishment of six government medical colleges in addition to the AIIMS. A private medical college, along with a satellite center of the PGI in Una, also highlight future hopes. Nevertheless, the area the President is referring to is the true identity of Himachal. This initiative will be lauded when healthcare services become accessible and efficient, even at the village dispensary. Over the past two decades, Himachal's medical services have been honing the role of higher education in improving their proficiency. While the expansion of medical colleges appears to be improving quantitatively, the ground reality in PHCs, CHCs, civil, regional, and zonal hospitals is less impressive. Attempts to rewrite the history of medical colleges have undermined the importance and need of general, district, and regional hospitals.

For example, the Zonal Hospital in Dharamshala once demonstrated its competence in caring for patients from Kangra, as well as Una, Hamirpur, and Chamba. However, every move by the TMC has eroded its reputation, and today, the situation is such that there is a constant shortage of specialist doctors. Furthermore, the IGMC contributed its faculty to the establishment of the TMC, while the TMC contributed its faculty to the establishment of Chamba, Hamirpur, Nerchowk, and AIIMS. The day the evaluation of Himachal's medical services in civil hospitals is successful, President Murmu's speech will be complete. It's not just about doctors, it's also about the framework, where intentions are great, but the infrastructure remains weak. In such a situation, if the entire responsibility for medical services continues to fall on the doors of medical colleges, even the good efforts of the system will fail. The growing overcrowding in the maternity wards of many medical colleges has the negative impact of often having two patients occupying a single bed, raising concerns. Similarly, if even district-level hospitals are unable to provide emergency services, the pressure of such services will render all arrangements merely a publicity stunt. The benefits of medical colleges' studies, research, and equipment will reach remote areas only if field institutions can effectively provide basic services. Only a referral system, starting from the village dispensary, through CHCs and PHCs, to civil hospitals, regional or zonal hospitals, will strengthen the relevance of medical colleges. Otherwise, all priorities and goals will be blurred according to the categories of health institutions displayed on the boards.

Those Who Made Change Possible: From 'It's Alright' to 'It's Possible', India Transforming Under Modi's Leadership

Those who have closely observed Narendra Modi's 25-year journey as Chief Minister of Gujarat and Prime Minister of India know that he begins not by considering the current situation, but by thinking about what the country needs. Then, he creates the necessary conditions to achieve it. I have always said that Prime Minister Narendra Modi is one of those special people who does not quietly accept the challenges he inherits. He believes, and has demonstrated through his actions, that there is no problem in public life that cannot be solved, no matter how complex or difficult those problems may become over time.

I vividly remember Prime Minister Modi's call in his Independence Day address to shift from a "it's alright" mindset to a "it can change" mindset. This highlights a crucial aspect of his approach to difficult problems. He does not believe in compromising on problems. Instead, he works to change the situation step by step. I know Narendra Modi first as a colleague in the party organization and later in the government. For those of us who have worked in the Bharatiya Janata Party for decades, Article 370 and Ram Janmabhoomi were no minor political issues. But, I will honestly say that there were moments when even our own workers doubted whether they would ever see these issues resolved in their lifetimes. But Narendra Modi made it happen.

When he became Chief Minister of Gujarat in October 2001, the state was reeling from the devastation of the earthquake that struck that year. Modi understood that the first priority was to restore people's confidence. His first Diwali as Chief Minister could have been celebrated in Gandhinagar. Instead, he celebrated it with earthquake-affected families in Kutch. His policies, implemented over the years, helped Kutch recover. Water scarcity was a persistent challenge in Gujarat. The Sardar Sarovar Project was planned decades ago, and its foundation stone was laid in 1961. For decades, the project was plagued by complications and delays. Modiji pushed the project forward despite years of difficulties, ultimately ensuring the dam's completion and the Narmada's waters reached the water-scarce areas of Gujarat.

In 2014, Narendra Modi became Prime Minister when India's economy was considered one of the weakest five economies and the banking system was beset by numerous problems. He initiated the process of identifying and resolving these problems. Subsequently, the Indian economy became the world's fastest-growing major economy. Many believed that the necessary political consensus for the Goods and Services Tax (GST) would never be achieved. However, thanks to Modiji's political will and commitment, this became possible. Today, we see India as number one in the world in digital payments. However, this was achieved only after overcoming challenges. Many veteran leaders had jokingly asked how street vendors could be included in the digital payment ecosystem. Prime Minister Modi made this behavioral change possible. Poverty was another problem that India had accepted as permanent. Today, 250 million Indians have emerged from multidimensional poverty. When it comes to the Padma Awards, for the first time in modern Indian history, Narendra Modi's government has ensured that those who were unrecognized are recognized, and those who worked quietly and unseen and deserved recognition are seen and valued. After 2014, our country's unsung heroes have found a place in the list of civilian honors every year.

For many decades, Naxalism remained a major threat to the country's internal security, claiming thousands of lives. By adopting a dual strategy of security and development, this problem, which had persisted for nearly six decades, has now been effectively eliminated. The most important aspect of Prime Minister Modi's leadership is not that every problem has disappeared, but that he has eliminated the old mindset of feeling helpless in the face of problems. During the COVID-19 pandemic, economies and healthcare systems worldwide came under immense pressure. However, Narendra Modi kept the country united through both social distancing and the vaccination drive. The Indian economy recovered faster than many other major countries.

The recent crisis in West Asia has posed new challenges related to energy security, shipping, and trade. However, India's approach, which involves government and society together, has remained mature and responsible. Over the past few years, a slogan has become popular that perfectly captures this change: "If Modi is there, it is possible." This can also be seen in India's political transformation. The BJP was once considered a party limited to certain geographical and social areas. Today, as a result of Prime Minister Modi's hard work, the party's expansion into regions like Northeast and Eastern India, and its growing support among the poor, rural, and marginalized communities, has transformed the political map of the country.Those who have closely observed his journey know that Narendra Modi did not start out with the thought He considers what current circumstances allow. He begins by considering what the country needs and then creates the necessary conditions to fulfill it. This thinking is crucial for a country that aspires to become a "developed India" by 2047.

A new front in the war: 80% of Europe and India's trade passes through the Red Sea; Saudi-backed anti-Houthi military operation crucial

Approximately 80% of India's trade with Europe passes through the Red Sea, where Houthi attacks and tensions force ships to take the longer route around Africa. The launch of a major military operation against Houthi rebels threatens to increase regional instability and open a new front in the conflict. The launch of a major military operation by the Saudi Arabia-backed Yemeni government against Iran-backed Houthi rebels threatens to increase regional instability and open a new front in the ongoing conflict between the US, Israel, and Iran. More than 200 US intelligence and military analysts are assisting Yemen in this military operation, while Saudi Arabia is supporting the Yemeni government with air defense and strikes.

In fact, over the past few days, the Houthis have captured several strategically important hills on Yemen's western coast, giving them a strong foothold, making it easier for them to withstand any military action. Now that Yemen has launched a military operation against the Houthis, hopes have grown that the Bab al-Mandeb sea route, through which approximately 12% of the world's oil passes,

may be secured again. The importance of this vital maritime trade route connecting the Red Sea and the Gulf of Aden has been further exacerbated by tensions in the Strait of Hormuz. Yemen has already been facing a severe humanitarian crisis due to the Houthis for the past twelve years, and the country's infrastructure has been damaged. Since August,

more than 800 people have been killed and nearly 150,000 displaced. In some areas, three out of every four families are not getting enough food. A prolonged military operation could further worsen the crisis of hunger and displacement in Yemen. This move by the Saudi-backed Yemeni government is an attempt to shift the balance of power in the region, but it also carries the risk of further destabilizing West Asia.

History shows that such operations often escalate into protracted and bloody conflicts. Therefore, restraint, diplomacy, and a humanitarian approach are needed. Otherwise, this new conflict in Yemen could engulf the entire region. The United Nations and the international community must step in to ensure long-term peace in the region. Regarding India, approximately 80% of India's trade with Europe is conducted through the Red Sea, where Houthi attacks and tensions have forced ships to take the longer route around Africa, increasing freight costs. Therefore, if this military operation secures this route again, it will be in the broader interest of global trade, including India's.

Why are cities sinking around the world?: Osaka shows the way: land can be raised by conserving groundwater.

Scientific evidence from Osaka proves that if groundwater exploitation is stopped, sinking land can be raised. What should be done to achieve this? Coastal cities around the world are sinking due to groundwater exploitation. As the climate warms, these coastal cities are becoming more vulnerable to rising sea levels. According to new research, if groundwater exploitation is stopped and measures are taken to replenish groundwater, cities can rise.The problem of sinking coastal cities has become global. Some parts of Jakarta are sinking more than ten centimeters every year. The coastal city of Tianjin in China is also sinking. If land subsidence continues there, 15 percent of the city's population will be underwater by 2120. Many cities from San Diego to Iran are affected by groundwater exploitation. In New Zealand, approximately 80 percent of the urban coastline is sinking. In fact, when groundwater is extracted, the land sinks. This problem is even more severe in coastal areas. Improved groundwater management is considered crucial to mitigate this. However, it is unclear how the ground reacts to rising groundwater levels over a long period of time. Osaka was chosen as a natural laboratory to investigate this. Between the 1920s and 1960s, massive groundwater extraction caused Osaka's groundwater level to drop by 30 meters, and in some places, the ground sank by more than two meters. After strict regulations were implemented, the groundwater level steadily improved. Groundwater in Greater Osaka is now rising rapidly. In places where water levels rose the fastest, the land also rose the fastest. However, the pattern of groundwater uplift was not consistent across the board. These changes appeared as narrow corridors across the city, almost exactly matching well-known tectonic fault lines (cracks beneath the ground). These faults act like dams underground, blocking the flow of water. According to the research, reducing groundwater extraction and replenishing aquifers could slow or even stop land subsidence.

मुरादाबाद में शारदीय नवरात्र का आगाज: मंदिरों से घरों तक गूंजे मां दुर्गा के जयकारे

मुरादाबाद में शारदीय नवरात्र का शुभारंभ धूमधाम से हुआ, जहां मंदिरों और घरों में घट स्थापना कर मां दुर्गा की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने सुबह से ही मंदिरों में दर्शन कर जयकारे लगाए और उपवास रखकर भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की। मुरादाबाद में शारदीय नवरात्र की हुई भव्य शुरुआत।

मंदिरों और घरों में विधि-विधान से घट स्थापना।- श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की भक्ति भाव से की आराधना।शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को मंदिरों से लेकर घरों तक भक्तिभाव का माहौल रहा।

श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से घट स्थापना कर मां दुर्गा की आराधना की। तड़के चार बजे से ही मंदिरों के कपाट खुल गए। प्राचीन सिद्धपीठ काली मंदिर में सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।

धूप, दीप, नारियल, पान और सुपारी अर्पित कर भक्तों ने माता रानी का पूजन किया। मंदिरों में अंबे तू है जगदंबे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली के जयकारे गूंजते रहे।शहरभर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़-कोर्ट रोड स्थित दुर्गा मंदिर, बुध बाजार के दुर्गा भवन, सिद्धपीठ नौ देवी मंदिर, लालबाग के गंगा मंदिर और किसरौल के चामुंडा मंदिर सहित शहरभर के मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। नौ दिन तक चलने वाली महाशक्ति की आराधना के साथ श्रद्धालुओं ने उपवास भी शुरू किए। कोई पूरे नौ दिन व्रत रखेगा तो कोई पहले और अंतिम दिन उपवास करेगा। घरों में कलश स्थापना के साथ दुर्गा सप्तशती का पाठ और भजन-कीर्तन शुरू हो गए।

नवजोत सिंह की हत्या: रिश्ते की विधवा दादी से की थी लव मैरिज, पत्नी की मौत पर गया था जेल; कत्ल का लाइव सीसीटीवी

यूपी के रामपुर जिले में सीने में चार गोलियां दागकर वाशिंग सेंटर संचालक की हत्या का मामला सामने आया है। कार सवार बदमाशों ने कुम्हरिया कलां गांव के अड्डे पर वारदात को अंजाम दिया। मृतक ने रिश्ते की विधवा दादी से प्रेम विवाह किया था। पुलिस की जांच इसी एंगल पर चल रही है। बताया जाता है कि मृतक पत्नी की मौत पर जेल भी गया था। रामपुर के मिलकखानम थाना क्षेत्र के कुम्हरिया कलां गांव के अड्डे पर शनिवार को कार सवार बदमाशों ने वाशिंग सेंटर संचालक नवजोत सिंह (29) की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने उनके सीने पर चार राउंड फायर किए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कार से बिलासपुर की ओर भाग गए। दिनदहाड़े हुई हत्या से क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना पर पुलिस टीम के साथ ही एएसपी अनुराग सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना के संबंध में जानकारी ली। साथ ही डॉग स्क्वायड की टीम ने भी जांच पड़ताल की। टाहकलां गांव निवासी निशान सिंह के बेटे नवजोत सिंह का मिलकखानम-बिलासपुर मार्ग पर कुम्हरिया कलां गांव के अड्डे पर गिल कार वॉशिंग सेंटर है।

शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे वह अपने सेंटर पर बैठे थे। तभी कार सवार कुछ लोग वहां पहुंचे और उतरते ही उन्होंने नवजोत सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियां दाग दीं। सीने में गोलियां लगने से वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही हमलावर कार में बैठकर बिलासपुर की ओर भाग निकले। कुछ ही देर में नवजोत सिंह की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष और सीओ भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ हर्षिता सिंह का कहना है कि पुलिस हर एंगल से वारदात की जांच कर रही है।हत्या की लाइव फुटेज देख बदहवास हुई मां- सीसीटीवी फुटेज में बेटे की हत्या का लाइव दृश्य देखकर मां जगदीश कौर बदहवास हो गईं। बेटे को गोलियां लगते देख उनका कलेजा कांप उठा। मां की हालत देखकर रिश्ते की महिलाओं और अन्य परिजनों ने उन्हें बामुश्किल संभाला। चीख-पुकार के बीच परिजन किसी तरह मां को ढांढस बंधाते रहे। माहौल इतना गमगीन हो गया कि वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईंरिश्ते की विधवा दादी से किया था प्रेम विवाह, इसी एंगल पर चल रही पुलिस की जांच - रामपुर के मिलकखानम थाना क्षेत्र में कार प्रेशर वॉशिंग सेंटर संचालक नवजोत सिंह की करीब तीन साल पहले उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। बताया जाता है पत्नी ने अपने मायके में जहर खा लिया था लेकिन पत्नी के मायके वालों ने हत्या होने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया था। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई थी और नवजोत को जेल जाना पड़ा था। वह करीब डेढ़ साल पहले जमानत पर बाहर आया था। इसके बाद उसने अपनी उम्र से करीब 16-17 साल बड़ी विधवा महिला से शादी कर ली थी, अब उसकी हत्या के पीछे यही रंजिश बताई जा रही है।बताया जाता है कि जेल से जमानत पर आने के बाद नवजोत का अपनी पड़ोसन जिनकी आयु करीब 45 वर्ष है और रिश्ते में उसकी दादी लगती है से प्रेम प्रसंग हो गया था। महिला तीन बच्चों की मां है। उसके दो बेटे न्यूजीलैंड में रहते हैं। बताया जाता है कि महिला करीब डेढ़ साल पहले नवजोत के साथ चली गई थी। वह नवजोत के साथ ही रह रही थी। हालांकि, इन पुराने घटनाक्रमों का शनिवार को हुई हत्या से कोई संबंध है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है।पुलिस हत्या के कारणों और सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। एएसपी अनुराग सिंह ने भी प्रथमदृष्टया हत्या के पीछे यही वजह होने की आशंका जताई है लेकिन वास्तविकता तो जांच के बाद ही पता लगेगी। कार प्रेशर वॉशिंग सेंटर संचालक नवजोत सिंह की हत्या के मामले में पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालेगी। सेंटर पर भी दो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जो घटनास्थल के आमने-सामने हैं। थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि उम्मीद है कि फुटेज से हमलावरों की पहचान करने में मदद मिल सकती है। सीओ के अनुसार, पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वारदात के समय सेंटर पर मौजूद नौकर राम औतार निवासी मेहंदीनगर से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस हमलावरों के आने और भागने के रास्ते की जानकारी जुटाने के साथ ही अन्य साक्ष्य भी एकत्र कर रही है।सेंटर का वाईफाई बंद मिलने पर परिजनों ने किया हंगामा- कार वॉशिंग सेंटर संचालक नवजोत सिंह की हत्या के बाद घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों और रिश्तेदारों ने सेंटर का वाईफाई बंद मिलने पर हंगामा किया। उन्होंने मामले में मिलीभगत की आशंका जताते हुए नाराजगी जाहिर की। इससे मौके पर कुछ देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। परिजनों का कहना था कि सेंटर पर सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद वाईफाई बंद मिलने से घटना से जुड़े साक्ष्यों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, वाईफाई बंद होने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही डीवीआर से कोई छेड़छाड़ हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।माता-पिता के साथ रहता था नवजोत, बहन कनाडा में-मिलकखानम। कुम्हरिया कलां में हत्या का शिकार हुआ नवजोत सिंह अपने माता-पिता की दो संतानों में एक था। उसकी बहन कनाडा में रहती है, जबकि नवजोत अपने माता-पिता जगदीश कौर और निशान सिंह के साथ रह रहा था। शनिवार शाम हुई वारदात के बाद परिवार में कोहराम मच गयावॉशिंग सेंटर पर बैठे नवजोत पर कार सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। सीने में कई गोली लगने से उसकी मौत हो गई। शव घटनास्थल से कुछ मीटर की दूरी पर अपने कार्यालय के भीतर मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और रिश्तेदार घटनास्थल पर पहुंच गए। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हत्या की जांच शुरू कर दी हैप्रथमदृष्टया बेमेल शादी विवाद को माना जा रहा वजह-रात आठ बजे तक घटना के संबंध में तहरीर नहीं मिली है। हत्या के पीछे नवजोत के घर के निकट ही उम्र में करीब 20 साल बड़ी विधवा महिला से शादी करने का विवाद प्रथमदृष्टया सामने आ रहा है। इस बेमेल शादी से महिला के परिजन रंजिश रखते हैं। तहरीर मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।- अनुराग सिंह, एएसपी, रामपुर।

डीजल टैंकर ट्रेन की बोगी पर चढ़ा भिखारी, OHE से टकराने पर हुआ तेज धमाका; मुरादाबाद स्टेशन पर सहमे यात्री

मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक भिखारी डीजल टैंकर ट्रेन की बोगी पर चढ़ते समय ओएचई तार से टकरा गया, जिससे तेज धमाका हुआ और अफरातफरी मच गई। हादसे में भिखारी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि सुरक्षा के मद्देनजर ओएचई लाइन दो घंटे तक बंद रही।भिखारी डीजल टैंकर ट्रेन की बोगी पर चढ़ा। ओएचई तार से टकराने पर तेज धमाका हुआ।- सुरक्षा हेतु दो घंटे ओएचई लाइन बंद रही।रेलवे स्टेशन पर जीआरपी थाने से महज सौ कदम की दूरी पर रविवार को करीब 12 बजे उस समय अफरातफरी मच गई, जब डीजल से भरी टैंकर ट्रेन की दसवीं बोगी पर चढ़ा एक भिखारी ओएचई तार से टकरा गया। तेज धमाके के साथ वह नीचे गिर पड़ा।

आवाज इतनी तेज थी कि यात्रियों को लगा जैसे कहीं बम फट गया हो। घटना के बाद प्लेटफार्म पर भगदड़ जैसे हालात बन गए।

यात्री और रेलवे अधिकारी बाहर निकलने लगे। सुरक्षा के मद्देनजर प्लेटफार्म खाली करा दिया गया। टैंकर बोगन ट्रेन भूल स्टेशन से लाल कुआं जा रही थी।पैसेंजर ट्रेन से उतरा था भिखारी- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भिखारी एक पैसेंजर ट्रेन से उतरा था। उसका एक पैर आधा कटा हुआ बताया जा रहा है। वह दूसरी ट्रेन के नीचे से निकलकर प्लेटफार्म नंबर एक और दो के बीच तीसरी मेन लाइन पर खड़ी डीजल से भरी करीब 50 टैंकर बोगियों वाली ट्रेन तक पहुंच गया।

इसके बाद इंजन से दसवीं बोगी पर चढ़ने के लिए लगी सीढ़ी के सहारे ऊपर पहुंचा और ओएचई तार से टकरा गया। इससे तेज धमाका हुआ और वह नीचे गिर गया।मौके पर पहुंचे स्टेशन के अधिकारी और जीआपी- सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक महेंद्र सिंह, आरपीएफ इंस्पेक्टर नरेंद्र मलिक, सीएमआई गौरव श्रोत्री मौके पर पहुंच गए। अग्निशमन विभाग की गाड़ियां पहुंचने से पहले ही रेलवे की टीम ने 10 फायर एक्सटिंग्विशर लेकर मोर्चा संभाल लिया। आरपीएफ, जीआरपी और अग्निशमन विभाग की टीमों ने मौके पर जांच की। घायल भिखारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।ओएचई लाइन करीब दो घंटे रही बंद- इस हादसे के बाद ओएचई लाइन करीब 2 घंटे तक बंद रही। संबंधित लाइन की बिजली कटवाकर आग पर काबू पाया गया। टैंकर बोगियों की जांच की गई कि कहीं डीजल में आग तो नहीं लगी है। पूरी जांच के बाद ही ट्रेन को रवाना करने का निर्णय लिया गया।स्टेशन अधीक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रेन नंबर 05580 आनंद विहार से पूर्णिया कोर्ट जाने वाली ट्रेन को तुरंत रवाना किया गया। पीछे से आ रही अवध आसाम एक्सप्रेस, और राजधानी एक्सप्रेस को भी सूचना दी गई लेकिन बोगी पर उठी आग की लपटों को 20 मिनट में ही काबू कर लिया गया, जिससे कोई क्षति नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

इंटरसिटी और लखनऊ मेल नहीं चलने से परेशान रहे यात्री, पकड़ी रोडवेज की राह

रामपुर। रामपुर रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली ट्रेनों के संचालन में फेरबदल का असर यात्रियों पर पड़ रहा है। कासगंज-इंटरसिटी और लखनऊ मेल के नहीं आने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेशन पर काफी देर तक इंतजार करने के बाद कई यात्रियों ने रोडवेज से सफर करने का फैसला किया। इसके बाद वे रोडवेज बसों से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।शनिवार को स्टेशन पर पहुंचे यात्रियों को ट्रेनों के नहीं आने से अपनी यात्रा की योजना बदलनी पड़ी। खासकर उन यात्रियों को अधिक परेशानी हुई, जिन्हें जरूरी काम से दूसरे शहरों तक पहुंचना था। ट्रेन का इंतजार करने के बाद यात्रियों ने बसों का रुख किया। रेलवे ने कई ट्रेनों के रूटों में फेरबदल कर दिया गया है। इसमें खासकर रामपुर से होकर गुजरने वाली लखनऊ मेल और इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से काफी अधिक यात्री बरेली और अन्य जिलों तक सफर करते हैं। इन ट्रेनों के रूट बदलने से दिल्ली जाने वाले और बरेली से आगे जाने वाले यात्रियों को दिक्कत हुई है। इससे उन्हें बसों से सफर करना पड़ा। यही नहीं कई लोग स्टेशन और रोडवेज की तरफ घूम रही टैक्सी पर बुक करके भी अपने जिलों को निकले। स्टेशन पर कई घंटे लोग ट्रेनों का इंतजार करते रहे। इधर, स्टेशन अधीक्षक मोहम्मद आजम ने बताया कि ट्रेनों में हुए फेरबदल की वजह से लोगों को यह दिक्कत उठानी पड़ी है।

वर्ष-2024 के प्रस्ताव में थी दरें, अब 2026 की बोर्ड बैठक में फिर रखने का इंतजार

रामपुर। शहर की सड़कों से लेकर प्रमुख चौराहों तक होर्डिंग-बैनर का जाल फैला है लेकिन नगर पालिका की व्यवस्था कागजों में उलझी हुई है। विज्ञापन शुल्क वसूलने के लिए न ठेके की व्यवस्था समय से हो सकी और न ही अवैध रूप से लगाए जा रहे होर्डिंग-बैनर पर कार्रवाई हुई। नतीजा यह है कि शौकत अली रोड, सिविल लाइंस, नैनीताल रोड और ज्वालानगर समेत कई इलाकों में जगह-जगह बैनर-पोस्टर लगे हैं। सवाल यह है कि जब पालिका ने अनुमति नहीं दी तो ये होर्डिंग किसके इशारे पर लगाए गए और इनका शुल्क किसने वसूला।नगर पालिका में बोर्ड बैठकों के दौरान योजनाओं और व्यवस्थाओं को लेकर प्रस्ताव तो रखे जाते हैं, लेकिन उन पर अमल की रफ्तार बेहद धीमी है। होर्डिंग-बैनर का ठेका वर्ष 2022 में समाप्त हो गया था। इसके बाद वर्ष 2024 में बोर्ड बैठक में विज्ञापन की दरें बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया, लेकिन इस पर भी अमल नहीं हो सका। करीब चार साल से ठेके और शुल्क वसूली की व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी है। अब अधिकारियों का कहना है कि इस प्रस्ताव को अक्तूबर में होने वाली बोर्ड बैठक में फिर से रखा जाएगा। शहर के प्रमुख मार्गों पर लगे बड़े होर्डिंग और यूनीपोल सुरक्षा के लिहाज से भी चिंता का विषय बने हुए हैं। तेज आंधी के दौरान कई बार बड़े होर्डिंग गिरने की कगार तक पहुंच गए। कई स्थानों पर पुराने होर्डिंग अब भी लगे हैं, जबकि उनके एंगल तक बाहर निकल आए हैं। ऐसे में इनके आसपास से गुजरने वाले लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके बावजूद पालिका की ओर से न तो नियमित निगरानी की गई और न ही नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई होती दिखाई दी।

शिव धनुष टूटते ही एक दूजे के हुए सीताराम, हुई पुष्प वर्षा

रामपुर। श्री सनातन धर्म रामलीला कमेटी की ओर से श्री रामलीला महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सातवें दिन धनुष यज्ञ, रावण-बाणासुर संवाद, धनुष भंजन और जयमाल प्रसंग का मंचन किया गया। कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों की तालियां बटोरीं। लीला के दौरान पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंजता रहा।उत्सव पैलेस में रात करीब आठ बजे शुरू हुए मंचन में दिखाया गया कि मिथिला के राजा जनक अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन करते हैं। शर्त रखी जाती है कि जो भी भगवान शिव के विशाल धनुष को तोड़ेगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। देश-विदेश के अनेक राजा और वीर धनुष उठाने का प्रयास करते हैं, लेकिन सफल नहीं हो पाते। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र की आज्ञा से श्रीराम स्वयंवर में आगे बढ़ते हैं। धनुष यज्ञ के दौरान रावण और बाणासुर के बीच संवाद होता है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी में आजाद समाज पार्टी की समीक्षा बैठक, संगठन विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव पर हुई चर्चा

मानपुर साबित स्थित विधानसभा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा से कराया गया अवगत, संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच /डिलारी । विधानसभा क्षेत्र 26 ठाकुरद्वारा के अंतर्गत मानपुर साबित स्थित आजाद समाज पार्टी के विधानसभा कार्यालय पर रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्टी की विचारधारा, राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के संघर्ष और सामाजिक न्याय के उद्देश्य को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा की गई।

इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों और संगठन के विस्तार को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मुख्य अतिथियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने की आवश्यकता बताई।

बैठक का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों की समीक्षा करना और आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन की मजबूती के लिए आगे की रणनीति पर चर्चा करना रहा।

बैठक के दौरान आजाद समाज पार्टी की विचारधारा और राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के संघर्ष के बारे में कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। वक्ताओं ने संगठन के उद्देश्यों को जनता के बीच पहुंचाने और सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ काम करने तथा गांव-गांव और क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में लोगों से संपर्क बढ़ाने पर बल दिया।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा में संगठन की तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर भी विचार किया गया।

बैठक में पार्टी के विस्तार को लेकर चर्चा करते हुए संगठन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों को समझकर जनता के बीच पहुंचाने और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल सहसंयोजक वेदपाल सिंह मुस्लिम भाईचारा, जिला प्रभारी आशोक कुमार सागर, जिला संगठन मंत्री सादिकुल रहमान तथा जिला प्रभारी युवामोचा? डॉ. एस पी सिंह मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष शमशाद हुसैन ने सहभागिता की। इसके अलावा सलामत हुसैन विधानसभा अध्यक्ष मुस्लिम भाईचार, नबी हसन चौधरी, शिवम कुमार, राजेंद्र सिंह, इरफान चौधरी ,निसार अहमद और होरि सिंह सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सक्रियता के साथ काम करने पर जोर दिया। बैठक के माध्यम से कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी की विचारधारा और उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस दौरान पार्टी के संगठनात्मक विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका और विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क बढ़ाने जैसे विषय प्रमुखता से चर्चा में रहे। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही।

CDO ने वन स्टॉप सेंटर का किया औचक निरीक्षण, पीड़िताओं से संवाद कर जानीं समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। महिला सुरक्षा और पीड़िताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती देवयानी यादव ने वन स्टॉप सेंटर, बरेली का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेंटर में आवासित पीड़िताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और वहां मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सेंटर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कैंटीन में उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ ही केस पंजिका, अल्पावास पंजिका तथा अन्य संबंधित अभिलेखों और पत्रावलियों का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण का उद्देश्य सेंटर में संचालित व्यवस्थाओं और पीड़िताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेना रहा।

निरीक्षण के उपरांत सेंटर की समस्त व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा सहित वन स्टॉप सेंटर एवं पुलिस चौकी स्टाफ सहित उपस्थित रहे।

जय माता दी के जयकारों संग शिव कथा का हुआ भव्य समापन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिव कथामृत के अंतिम दिन पूरा पंडाल 'जय माता दी' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य कथाव्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने श्री गणेश उत्पत्ति एवं महिषासुर मर्दन प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया।

स्वामी जी ने कहा कि जिस तरह देवताओं की संगठित शक्ति से महिषासुर का संहार हुआ, उसी प्रकार आज समाज से आतंक, नफरत और भेदभाव रूपी दानव का अंत केवल एकजुटता से ही संभव है। शिव परिवार का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि विपरीत स्वभाव के जीव भी शिव के सान्निध्य में समरसता से रहते हैं।

समाज में यही प्रेम और सौहार्द स्थापित करने के लिए अंतर्घट में ब्रह्मज्ञान द्वारा चैतन्य शिव का प्राकट्य जरूरी है।

कार्यक्रम के प्रात: कालीन सत्र में योगाचार्य अमर प्रकाश शर्मा व सीमा वर्मा ने योग की महत्ता बताई, वहीं रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाया गया।

इस अवसर पर निशांत चौहान, मंजू मिश्रा, लखन सिंह गंगवार, मुदित मिश्रा, खेमपाल साहू, राजेश मिश्रा, मीडिया प्रभारी हरीश भट्ट, अलका गुप्ता, अशोक सिंघल सहित तेजस्वी भारत समाज सेवी संस्था व युवा परिवार सेवा समिति के सदस्यों ने कथाव्यास का स्वागत व अभिनंदन किया। अंत में माँ भगवती की पावन वंदना के साथ कथा को विश्राम दिया गया।

बेटी कीर्ति के साथ अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे आंवला के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफा देने के बाद आंवला के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप अब साईकिल के साथ अपनी सियासी यात्रा तय करेंगे। भाजना छोड़ने के साथ ही समाजवादी पार्टी में उनकी वापसी की चर्चाएं शुरू तेज थीं। रविवार को अखिलेश यादव के साथ मुलाकात की तस्वीर सामने आने के बाद सब कुछ साफ हो गया है।

धर्मेंद्र कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को लेकर अखिलेश यादव से मिले। बरेली के सपा जिलाध्यक्ष शुभलेष यादव भी साथ गए थे। धर्मेंद्र कश्यप स्पष्ट कर चुके हैं कि वह अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को बिथरी चैनपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाएंगे।

धर्मेंद्र कश्यप भाजपा के टिकट पर आंवला लोकसभा सीट से दो बार सांसद रहे हैं। पिछले 2024 के चुनाव में वह सपा कैंडिडेट नीरज मौर्य से हार गए थे। हालांकि इस हार का ठीकरा वह पार्टी के भितरघातियों पर फोड़ते रहे हैं। उनके इस्तीफे में भी इस बात की टीस दिखी। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहकर जिन लोगों ने उन्हें हराने की साजिशें रची थीं, उन्हीं को अब आगे बढ़ाया जा रहा है। बहरहाल, भाजपा और धर्मेंद्र कश्यप की राहें अलग हो चुकी हैं।

सीबीगंज स्वास्थ्य केंद्र को डिजिटल हेल्थ सेवाओं के लिए मिला पहला सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बरेली के सीबीगंज नगरीय प्राथमिक केंद्र ने प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा पंजीकरण और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल माध्यम से जोड़ने में उत्कृष्ट कार्य के करने के लिए केंद्र (यूपीएचसी) को सम्मनित किया गया है। खास बात यह है कि प्रदेश में यह सम्मान पाने वाला सीबीगंज एकमात्र नगरीय स्वास्थ्य केंद्र रहा।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित मार्स ऑडिटोरियम में 7 अक्टूबर को आयोजित आयुष्मान संवाद-2026 कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने केंद्र की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु गुप्ता को सम्मान प्रदान किया। टीमवर्क से मिली प्रदेश स्तर पर पहचान -डॉ. मधु गुप्ता के नेतृत्व में स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने आभा पंजीकरण और डिजिटल स्वास्थ्य सेंवाओं को बढ़ावा देने का काम किया। इस उपलब्धि में चिकित्साकर्मियों, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं का अहम योगदान रहा। डा. मधू गुप्ता ने इस सम्मान का श्रेय मुख्य चिकित्साधिकारी के मार्गदर्शन, नोडल अधिकारी के सहयोग और पूरी टीम की मेहनत को दिया। यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल माध्यम से अधिक व्यवस्थित बनोन की दिशा में सीबीगंज केंद्र के प्रयासों को रेखांकित करती है।

नारायण सेवा संस्थान महाशिविर में 404 दिव्यांगजनों को मिली नई उम्मीद, 303 के नाप और 28 सर्जरी के लिए चयनित

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर और शिवम वेलफेयर सोसायटी (SWS) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पीलीभीत बाईपास रोड स्थित होटल स्पर्श में विशाल नि:शुल्क दिव्यांग शिविर आयोजित हुआ। शिविर में 404 से अधिक दिव्यांगजनों ने पंजीकरण कराया। विशेषज्ञ डॉक्टरों और P&O टीम ने गहन जांच के बाद-141 दिव्यांगजनों के आधुनिक कृत्रिम अंग के नाप लिए।

162 को कैलिपर्स के लिए चिह्नित किया। 28 गंभीर मरीजों को नि:शुल्क सर्जरी के लिए चयनित किया। शिविर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और SWS अध्यक्ष डॉ. रंजना गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि डॉ. सक्सेना ने कहा, दिव्यांगजनों की सेवा ही सच्ची मानवता है। नारायण सेवा संस्थान आधुनिक तकनीक से लोगों को आत्मनिर्भर बनाकर सराहनीय कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में दानदाताओं के सम्मान हेतु भामाशाह समारोह भी आयोजित किया गया।

छात्रा को पीटने पर, टीचर पर एफआईआर, हाथ में पट्टी बांधकर डीएम के पास पहुंचा परिवार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। टीचर पर छात्रा की पिटाई का आरोप। हाथ में पट्टी बांधकर परिजनों के साथ पहुंची पीड़ित छात्रा डीएम से शिकायत के बाद सुभाषनगर थाने में टीचर के खिलाफ एफआईआर छात्रा के परिजनों का आरोप है कि टीचर ने बेवजह उनकी बेटी के हाथ में डंडा मारा। इससे उसको गंभीर चोट आई है। हाथ की उंगलियां भी सुन्न पड़ गईं। हाथ में पट्टी बांधकर छात्रा अपने परिजनों के साथ डीएम से भी मिली। परिजनों की तहरीर पर सुभाषनगर थाने में टीचर श्याम सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बरेली एक विद्यालय में छात्रा की पिटाई करने वाले शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई है। छात्रा के परिजनों का आरोप है कि टीचर ने बेवजह उनकी बेटी के हाथ में डंडा मारा। इससे उसको गंभीर चोट आई है। हाथ की उंगलियां भी सुन्न पड़ गईं। हाथ में पट्टी बांधकर छात्रा अपने परिजनों के साथ डीएम से भी मिली। परिजनों की तहरीर पर सुभाषनगर थाने में टीचर श्याम सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनाक्रम सुभाषनगर क्षेत्र के रौंधी स्थित कंपोजिट स्कूल का है। गांव की कलावती की बेटी सुमन यहां आठवीं कक्षा में पढ़ती हैं। उनका आरोप है स्पोर्ट्स टीचर श्याम सिंह ने उनकी बेटी की पिटाई लगाई। उसके हाथ में तेज डंडा मारा, जिससे उसको काफी चोट आई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दहशत के साए में बुजुर्ग दंपत्ति : युवक की दबंगई से परेशान, चौकी के अंदर दबंग खुलेआम धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। थाना बारादरी अंतर्गत जगतपुर चौकी क्षेत्र में पवन विहार के सामने रहने वाले बुजुर्ग कुलवीर सिंह ने पड़ोसी युवक रोहित गुप्ता पर

गाली-गलौज, धमकी और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का कहना है कि वर्ष 2022 में भी शिकायत के बाद मामला शांत हुआ था, लेकिन विवाद फिर शुरू हो गया। कुलवीर सिंह के मुताबिक, 21 सितंबर की रात करीब 10-20 बजे आरोपी ने उनकी पार्किंग में खड़ी कार और बाइक पर लातें मारीं। पीड़ित का दावा है कि घटना की रिकॉर्डिंग और फुटेज उनके पास मौजूद हैं। पीड़ित के 20 वर्षीय इकलौते बेटे की सड़क हादसे में मौत हो चुकी है, जबकि उनकी पत्नी हृदय रोग से पीड़ित हैं। ऐसे में उन्हें परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता सता रही है। पीड़ित का कहना है कि थाना बारादरी की जगतपुर चौकी में करीब 20 दिन पहले सुरक्षा की गुहार लगाने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। आज रविवार को चौकी पर बुलाए जाने के दौरान आरोपी द्वारा कथित तौर पर पीड़ित को खुलेआम धमकी देने का मामला सामने आया। अब पीड़ित ने सुरक्षा और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

आगामी चुनाव के लिए पुलिस ने शुरू की तैयारी, एसएसपी ने बदमाशों की निगरानी के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव से पहले बरेली पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। अपराधियों प ष्ट्ज्ञर नकेल कसने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने थानेदारों को नई हिस्ट्रीशीट व गैंगस्टर चार्ट खोलने और पुराने बदमाशों की निगरानी का

निर्देश दिया है। माहौल बिगाड़ने की आशंका में संदिग्धों पर निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही स्कूल व धर्मशालाओं में संसाधन दुरुस्त कराने का काम किया जा रहा है, जहां अर्धसैनिक बलों को ठहराया जाएगा। बरेली सांप्रदायिक लिहाज से संवेदनशील है। इसके लिए चुनाव में दूसरे जिलों से यहां अतिरिक्त पुलिस बल व पीएसी मंगाई जाएगी। अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि अर्धसैनिक बल भी पर्याप्त मात्रा में रहेंगे। इनके ठहराव के लिए संबंधित केंद्रों पर शौचालय और स्नानागार की व्यवस्था देखी जा रही है। मौसम के अनुकूल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। महिला जवानों व पुलिसकर्मियों के ठहराव के लिए शहर या उसके नजदीक के केंद्र देखे जा रहे हैं। उनकी सुविधा के मद्देनजर भी तैयारियां की जाएंगी।

चुनावी शंखनाद करेंगे सीएम योगी, 13 को करेंगे जनसभा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यम शर्मा/ बरेली। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ का 13 अक्तूबर को बरेली दौरा प्रस्तावित है। वह चार हजार प्रहरियों को सम्मानित करने के साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उनका यह दौरा रुहेलखंड की जमीन से चुनावी शंखनाद माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 13 अक्टूबर 2026 को बरेली दौरा है. इसे लेकर ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्जन की एडवाइजरी जारी की है. सुबह 7 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी और रोडवेज बसों का संचालन पुराने रोडवेज की बजाय सैटेलाइट बस अड्डे से होगा।

बिलारी में पहले दिन हुई मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना, गमादेवत मंदिर में लगी भीड़

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस मां आद्या शक्ति के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की विशेष पूजा अर्चना की गई। विधि विधान के साथ घरों में कलश स्थापना की गई। देवी मंदिरों में सवेरे से ही पूजा अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ लग गई।

मंदिर पौड़ा खेड़ा के काली मंदिर में भी पूजा अर्चना को भक्तों की भीड़ लगी रही। सनातन धर्मार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज चौहान ने बताया नवरात्रि के दौरान पौड़ा खेड़ा मंदिर के मुख्य मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, श्री राम मंदिर, काली मंदिर, दुर्गा मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है यहां सच्चे मन से मांगी गई मुरादें पूरी होती हैं। श्री राम आश्रम काली मंदिर में भक्तों ने दुर्गा मंदिर, संतोषी माता के मंदिर, काली मंदिर, श्री राम मंदिर, नवग्रह मंदिर में माथा टेकर आशीर्वाद लिया। यहां नवचंडी महायज्ञ चल रहा है जिसमें श्रद्धालु यजमान के रूप में शामिल होकर माता का आशीर्वाद ले रहे हैं। पंडित राघवेंद्र शर्मा ने बताया माता शैलपुत्री की सवारी वृषभ धर्म का प्रतीक है। उनके एक हाथ में त्रिशूल है जो तीनों प्रकार के तापों को दूर करने वाला है। नव चंडी यज्ञ के संजय शर्मा ज्योति शर्मा, संदीप शर्मा साक्षी शर्मा, यजमान के रूप में रहे। यज्ञ कार्य पंडित कृष्ण भारद्वाज राघवेंद्र शर्मा, विमल शर्मा ने कराया। ट्रस्ट के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, राहुल वर्मा, अभिषेक भारद्वाज, आशीष शर्मा, रामबाबू गुप्ता, स्वामी पूर्णानंद सरस्वती आदि आरती में शामिल हुए। इस दौरान बाजार सजे हुए हैं नवरात्रि संबंधी खरीदारी को भीड़ लगी हुई है फलों की भरमार है।

अमरिया थाने में नवरात्रि और दशहरा को लेकर पीस बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरिया, पीलीभीत। नवरात्रि और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अमरिया थाना परिसर में थानाध्यक्ष अमित सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों और संभ्रांत लोगों ने भाग लिया। थानाध्यक्ष अमित सिंह ने लोगों से त्योहारों को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कोई नई परंपरा शुरू न करें। सभी ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति ग्राम पंचायत या सार्वजनिक स्थान पर अभद्रता कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल अमरिया थाना पुलिस या क्षेत्रीय पुलिस को दें। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। बैठक में उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारी, क्षेत्रीय ग्राम प्रधान और संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों की हड़ताल से प्रभावित हुआ मुख्यमंत्री आरोग्य मेला

लंबित मांगों को लेकर 12 अक्टूबर को लखनऊ के ईको गार्डन में जुटेंगे प्रदेशभर के कर्मचारी

बिलारी, क्यूँ न लिखूँ सच । उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार का असर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले पर दिखाई दिया। प्रदेशभर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में संविदा चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की ड्यूटी रहती है। कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने के कारण कई स्थानों पर स्वास्थ्य मेले की व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं और मरीजों को अपेक्षित स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल सकीं। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले संविदा कर्मचारी अपनी दो प्रमुख मांगों और छह सूत्रीय अन्य मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी लंबित मांगों का अब तक समाधान नहीं किया गया है, जिसके चलते उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष ठाकुर मयंक प्रताप सिंह ने बताया कि 12 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों से एनएचएम संविदा कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर लखनऊ के ईको गार्डन पहुंचेंगे।

उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक कर्मचारी लखनऊ में अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रखेंगे।कर्मचारियों के आंदोलन के चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका है। वहीं, संविदा कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि मांगों का समाधान होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओं ने दी उन्हें श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें दी श्रद्धांजलि

लोजपा संस्थापक रामविला पासवान की पुण्यतिथि पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें शत-शत नमन करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया

लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान की पुण्यतिथि पर कैंप कार्यालय पीलीभीत में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी द्वारा श्रद्धांजलि दी गई कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताएं मार्ग पर चलने की शपथ ली लोजपा के संस्थापक रामविलास पासवान ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में गरीबों कमजोरों दलित एवं वंचित समाज के लोगों के उत्थान के लिए नियंत्रण कार्य किया जिस प्रकार स्वर्गीय रामविलास पासवान ने अपने पूरे जीवन में लोगों की सेवा की इस प्रकार आज कार्यकर्ताओं ने भी लोगों की सेवा करने की प्रतिज्ञा की और पार्टी के कार्यों में बड-चड कर कर भाग लेना एवं पार्टी अध्यक्ष द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अंतर्गत रहकर कार्य करना और पार्टी को आगे बढ़ाना है जिससे स्वर्गीय पद्म भूषण रामविलास पासवान जी के सपने को पूरा किया जा सके इस अवसर पर बैठक में उपस्थित रहे जिला अध्यक्ष मोहम्मद शरीफ खान श्यामा चरण संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश पश्चिम पार्वती सागर नगर अध्यक्ष पीलीभीत विष्णु दयाल पासवान तहसील अध्यक्ष कलीनगर मखदूम हुसैन एवं जिला अध्यक्ष पीलीभीत चंद्रसेन सरोज राकेश कुमार श्रीवास्तव जगदीश कुमार शर्मा गर्दन लाल मोहनलाल अकरम पेंटर चंद्रसेन वर्मा डॉक्टर प्रेम शंकर पासवान आदि लोक उपस्थित रहे

पत्नी के प्रेमी ने की थी राममूर्ति की हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता। रमपुरा प्रवीण गांव के पास पांच जुलाई को नहर किनारे मिले 28 वर्षीय राममूर्ति के शव के मामले का पुलिस ने करीब तीन माह बाद खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, राममूर्ति निवासी कुलडिया की हत्या उसकी पत्नी के प्रेमी पंकज मौर्या निवासी क्योलड़िया ने की थी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त रॉड और चाकू बरामद कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी के मृतक की पत्नी अनीता से प्रेम संबंध थे। राममूर्ति को दोनों के संबंधों की जानकारी हो गई थी। इसी को लेकर आरोपी ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची। ज्ञात रहे कि पांच जुलाई को रमपुरा प्रवीण गांव के पास नहर में राममूर्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला था। उसके सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर पर चोट की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने हत्या के बिंदु पर जांच शुरू की थी।

मृतक के पिता जंग बहादुर ने 13 जुलाई को थाना भुता में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया था कि चार जुलाई को पूरा परिवार क्योलड़िया स्थित जय गुरुदेव बैंक्वेट हॉल में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने गया था। इसी दौरान राममूर्ति वहां से कहीं चला गया और देर रात तक वापस नहीं लौटा। अगले दिन रमपुरा प्रवीण स्थित नहर के पास युवक का शव मिलने की सूचना पर परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उसकी पहचान राममूर्ति के रूप में की।

पुलिस ने मामले की जांच के दौरान कई बिंदुओं पर छानबीन की। पुलिस टीम की जांच के दौरान पंकज मौर्या का नाम सामने आया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि एक जुलाई की रात राममूर्ति ने उसे अपनी पत्नी के साथ देख लिया था। इसके बाद उसने राममूर्ति को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार 4 जुलाई को आरोपी जय गुरुदेव बैंकट हॉल में खाना बनाने के बाद घर लौट रहा था इसी दौरान पुल के पास उसकी राम मूर्ति से मुलाकात हुई। दोनों ने शराब पी इसके। बाद आरोपी ने लोहे की रॉड से राम मूर्ति के सिर,छाती, व मुंह पर कई वार किए। और उसे नहर में धकेल दिया। पुलिस ने आरोपी पंकज मौर्य को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रॉड ब चाकू भी बरामद कर ली गई है

संक्षिप्त समाचार

नमो बुद्धाय: अंबेडकर पार्क में की गई बुद्ध वंदना

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । हर रविवार को सुबह सात बजे डॉ अंबेडकर पार्क बिलारी में बुद्ध वंदना की जाती है। इस रविवार को बुद्धजीवी व्यक्तियों ने अपने विचार रखे कि हम सब लोग मिलकर अपने क्षेत्र के बच्चों को आगे बढ़ाने को फ्री कोचिंग के लिए टीचरों को भी तैयार करेंगे। जिस पर सभी ने मिलकर सहमति दी। भगवान बुद्ध से विश्व शांति और सौहार्द के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में उपासक हरिशंकर बौद्ध, राम अवतार सिंह, डॉ चरन सिंह, लाल सिंह बौद्ध, रन सिंह भारती, विजय पाल सिंह, मनोज कुमार, मास्टर हरिशंकर, मास्टर संजीव कुमार मौर्य, काशी राम, जग पाल सिंह, सोनू कुमार, डॉ राजा राम आदि ने विचार रखे।

आजाद समाज पार्टी(क)पीलीभीत ने संगठन में किया फिर बदल

क्यूँ न लिखूँ सच / आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) में संगठनात्मक फेरबदल करते हुए जिला उपाध्यक्ष के पद पर राजाराम गौतम और 127- सदर विधानसभा अध्यक्ष के पद पर असगर हुसैन अंसारी को मनोनीत किया आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को मध्य नजर सकते हुऐ आजाद समाज पार्टी (काशीराम)पार्टी ने भी काफी बदलाव करना शुरू कर दिए हैं बूथ लेवल पर संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी एवं जिला अध्यक्ष द्वारा चलाए गए विभिन्न अभियानों एवं बदलाव से यह स्पष्ट नजर आता है कि 127 विधानसभा पीलीभीत में आजाद समाज पार्टी खुद को एक मजबूत प्रतिद्वंदी की तरह प्रस्तुत करने जा रही है वही 127 सदर विधानसभा अध्यक्ष पद पर नवनियुक्त असगर हुसैन अंसारी कि अपने क्षेत्र में एक अच्छी पकड़ होने कारण संगठन को मजबूत करने में उनका काफी योगदान रहने की संभावना है जिसे देखते हुए पार्टी ने उन्हें 127 सदर विधानसभा में अध्यक्ष नियुक्त किया है असगर हुसैन अंसारी किस प्रकार पार्टी को मजबूती देते हैं यह तो आने वाला भविष्य बताएगा पर पार्टी ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए वूथ स्तर पर विधानसभा स्तर एवं जिला स्तर पर अपनी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी तैयारी मैं लग गई है

नटेरन शांति समिति की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ नवदुर्गा उत्सव आयोजन संपूर्ण क्षेत्र में दुर्गा झांकियां लगाई जा रही हैं उस संबंध में नटेरन जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी , भाजपा मंडल महामंत्री संजय चौकसे भाजपा नटेरन मंडल पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी, मीडिया के साथी नितेश नामदेव एवं आसपास के ग्रामों के नागरिक जन रक्षा समिति के सदस्य एवं नटेरन पुलिस स्टाफ सभी बैठक में सम्मिलित रहे थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार अहिरवार के नेतृत्व में वीरेंद्र कुमार के द्वारा बताया गया झांकी पंडालों डीजे 10॰00 बजे तक ही चलेगा एवं झांकी पंडाल के आसपास ताश खेलते हुए कोई पकड़ा जाता है या 10॰00 बजे के बाद डीजे बजाया पाया जाता है तुरंत कार्रवाई की जाएगी एवं डीजे जब तक कर लिया जाएगा जो भी उचित कार्रवाई हो सकेगी कार्रवाई की जाएगी दशहरे के दिन छोटे बच्चों को लेकर न जाए झांकी विसर्जन को लेकर वहीं नटेरन के जे ई को फोन कर अवगत कराया गया कि नटेरन में हर चौराहे पर स्ट्रीट लाइट लगाई जाए।

2017 से पहले चौखट लांघना था मुश्किल, योगी बोले-अब 50% से अधिक स्टार्टअप्स की कमान संभाल रहीं महिलाएं

शारदीय नवरात्र के पहले दिन अपने बयान में सीएम योगी ने महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले चौखट लांघना मुश्किल था। अब यूपी की बेटियां नाइट शिफ्ट संभाल रही हैं। महिला कार्यबल की भागीदारी 12 से बढ़कर 36 प्रतिशत के पार हो गई है।शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए महिला सशक्तीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 50 फीसदी से अधिक स्टार्टअप्स का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। महिला कार्यबल की भागीदारी भी 12 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो गई है। उन्होंने इसे महिलाओं के बढ़ते विश्वास और उनके लिए विस्तृत होते अवसरों का प्रमाण बताया। सीएम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:'

की भावना के अनुरूप काम कर रही है। सरकार ने नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा देने के लिए विभिन्न योजनाओं और पहलों को आगे बढ़ाया है।नाइट शिफ्ट में भी काम कर रहीं बेटियां- सीएम ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले जिन बेटियों के लिए घर की चौखट पार करना चुनौतीपूर्ण था, वे आज नाइट शिफ्ट में भी काम कर रही हैं और प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और महिला कार्यबल का विस्तार रोजगार के बदलते अवसरों को दर्शाता है।योजनाओं से शिक्षा और आत्मनिर्भरता को मिल रहा बढ़ावा- सीएम योगी ने कहा कि महिलाओं और बेटियों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और पोषण अभियान से माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान दिया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बेटियों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा देने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने मिशन शक्ति, ऑपरेशन कायाकल्प, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, सेफ सिटी, रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना और लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर वर्किंग वुमन हॉस्टल जैसी पहलों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं और बेटियों के लिए शिक्षा, सुरक्षा, आवागमन तथा आत्मनिर्भरता के अवसर बढ़ाना है।'सशक्त नारी-समृद्ध उत्तर प्रदेश' पर जोर- मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण प्रदेश के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी बढ़ने से उनके लिए नए अवसर खुलते हैं। उन्होंने कहा कि 'सशक्त नारी-समृद्ध उत्तर प्रदेश' की भावना के साथ सरकार 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

फर्रुखाबाद में शारदीय नवरात्र के पहले दिन मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, मां शैलपुत्री के जयकारों से गूंजे मंदिर!

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद – फर्रुखाबाद – नवरात्रि स्पेशल – शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को माता रानी के मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भक्तों ने मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वहीं, घरों में भी कलश स्थापना के साथ नवरात्र पर्व की शुरुआत हुई।

गुरुगांव देवी मंदिर में सुबह 6 बजे खुले कपाट- शहर से सटे प्रसिद्ध गुरुगांव देवी मंदिर में नवरात्र के पहले दिन विशेष तैयारियां की गईं। मंदिर में रातभर तैयारियां चलती रहीं और सुबह करीब 4 बजे मां का भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद सुबह 6 बजे आरती संपन्न होने पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। माता रानी के दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। अष्टमी पर मां को अर्पित होगा 56 भोग- नवरात्र को लेकर मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। मंदिर के पुजारी के अनुसार, इस बार नवरात्र की अष्टमी पर मां दुर्गा को 56 भोग का प्रसाद अर्पित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

घरों में कलश स्थापना कर शुरू की पूजा-अर्चना- नवरात्र के पहले दिन श्रद्धालुओं ने घरों में विधि-विधान से कलश स्थापना की। बालू और मिट्टी में जौ बोकर मां दुर्गा की आराधना शुरू की गई। भक्तों ने मां शैलपुत्री के चरणों में शीश झुकाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और जीवन में खुशहाली की प्रार्थना की। नवरात्र के नौ दिनों तक माता के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी।

इन मंदिरों में भी पहुंचे श्रद्धालु- फर्रुखाबाद के बढ़पुर स्थित शीतला देवी मंदिर, भोलेपुर के वैष्णो देवी मंदिर, मठिया देवी मंदिर और फतेहगढ़ के गमा देवी मंदिर में भी सुबह से ही भक्त दर्शन के लिए पहुंचने लगे। मंदिरों में माता रानी के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद लिया। नवरात्र के पहले दिन पूरे जिले में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल देखने को मिला।

32 वर्षों से लगातार मां के दर्शन कर रहे बृजनंदन सिंह राठौड़- माता रानी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आवास विकास निवासी बृजनंदन सिंह राठौड़ पिछले 32 वर्षों से लगातार मां के दर्शन करने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि माता रानी की महिमा अपार है, जिसका बखान शब्दों में नहीं किया जा सकता। सर्दी हो या गर्मी, वह नियमित रूप से मां के दर्शन करने पहुंचते हैं। वहीं, तिकोना चौकी निवासी दिलीप गुप्ता ने भी माता रानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन मंदिर में माता के दर्शन करने आती हैं। श्रद्धालुओं की मानें तो मां के दरबार में पहुंचकर मन को शांति मिलती है और नई ऊर्जा का अनुभव होता है।

सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट- नवरात्र के दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख मंदिरों पर पुलिस बल तैनात किया गया है और कर्मचारियों की अलग-अलग ड्यूटी लगाई गई है। मंदिर परिसरों में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में माता रानी के दर्शन कर सकें।

फर्रुखाबाद में भीषण सड़क हादसा: मां-बेटी की दर्दनाक मौत, 5 लोग घायल; टक्कर के बाद पिकअप में फंसा रहा लहसुन व्यापारी, खिड़की काटकर निकाला गया बाहर

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/ जिस मां-बेटी को कुछ देर पहले तक परिवार के साथ होना था, उनकी जिंदगी रास्ते में हुए एक भीषण हादसे ने छीन ली। फर्रुखाबाद में इटावा-बरेली हाईवे पर शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। राजेपुर थाना क्षेत्र के जैनापुर के पास लहसुन से भरी पिकअप और डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक महिला और उसकी महज चार साल की मासूम बेटी की मौत हो गई, जबकि लहसुन व्यापारी समेत पांच लोग घायल हो गए।

हुआ हादसा- जानकारी के मुताबिक, लहसुन से भरी एक पिकअप लखीमपुर खीरी से मैनपुरी की ओर जा रही थी। पिकअप में मैनपुरी जिले के घिरोर थाना क्षेत्र निवासी लहसुन व्यापारी राजीव, चालक और फर्रुखाबाद के अमेठी कोहना निवासी विमलेश अपनी पत्नी पूजा और चार वर्षीय बेटी के साथ सवार थे। बताया गया कि जैनापुर के पास दूसरे वाहन को ओवरटेक करने के दौरान पिकअप की सामने से आ रहे डंपर से जोरदार टक्कर हो गई।

मां-बेटी की मौत से परिवार में मचा कोहराम-टक्कर के बाद पिकअप में सवार सभी लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने पूजा और उसकी चार वर्षीय बेटी को मृत घोषित कर दिया। मां और बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। जिस परिवार में कुछ समय पहले तक खुशियां थीं, वहां अब अपनों को खोने का गम है। मायके से लौट रही थी पूजा, रास्ते में हुआ हादसा- बताया गया कि पितृ अमावस्या के अवसर पर पूजा अपनी चार वर्षीय बेटी के साथ शाहजहांपुर जिले के कांट थाना क्षेत्र स्थित अपने मायके गई थी। शाम को लौटते समय विमलेश अपनी पत्नी और बेटी

के साथ सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान वहां से गुजर रही लहसुन से भरी पिकअप को उसने हाथ देकर रोका और दोनों को लेकर उसमें सवार हो गया। कुछ ही देर बाद यह सफर एक दर्दनाक हादसे में बदल गया। विमलेश फल की रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। हादसे में पत्नी और बेटी को खोने के बाद उसकी हालत बेहद खराब हो गई। वह बार-बार पत्नी और बेटी का चेहरा दिखाने की बात कहता रहा। परिवार के लोग उसे संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन इस दुख की घड़ी में उसका दर्द शब्दों में बयां करना मुश्किल है। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टक्कर के बाद पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह धंस गया था। लहसुन व्यापारी राजीव गाड़ी के अंदर फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार ग्राइंडर की मदद से पिकअप की खिड़की काटी गई, जिसके बाद व्यापारी को बाहर निकाला जा सका। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से बाद में उसके परिजन निजी नर्सिंग होम ले गए।

पीछे हटी पिकअप, बाइक सवार दंपती भी आए चपेट में हादसे के दौरान टक्कर लगने के बाद पिकअप पीछे की ओर हटी, जिसकी चपेट में एक बाइक भी आ गई। बाइक पर राजेपुर थाना क्षेत्र के कमालुद्दीनपुर निवासी वेद प्रकाश अपनी पत्नी किरन के साथ सवार थे। दोनों हरदोई स्थित किरन के मायके से दावत खाकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान वे भी हादसे का शिकार हो गए और घायल हो गए। दोनों को लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद वे अस्पताल से चले गए।

लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में मची अफरा-तफरी- हादसे के बाद घायलों को लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। कई घायलों के एक साथ इमरजेंसी में पहुंचने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अस्पताल कर्मचारियों ने तत्काल उपचार शुरू किया। किसी घायल को स्ट्रेचर पर तो किसी को बेड पर इलाज दिया गया। पिकअप चालक की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। उसकी हालत गंभीर बताई गई।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे- राजेपुर थानाध्यक्ष दर्शन सिंह सोलंकी के मुताबिक, हादसे में मां-बेटी की मौत हुई है, जबकि घायलों को लोहिया अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एक सड़क हादसा कई परिवारों की खुशियां छीन गया। इस दुर्घटना में किसी ने अपनी पत्नी खो दी, किसी ने अपनी मासूम बेटी, तो कई लोग घायल होकर अस्पताल पहुंच गए। हादसे ने एक बार फिर सड़क पर सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अहमियत को सामने ला दिया है। ईश्वर दिवंगत मां-बेटी की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को यह असहनीय दुख सहने की शक्ति दें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है।

तेज रफ्तार ई-रिक्शा की टक्कर से सड़क पर फैला एक कुंतल दूध, मची अफरा-तफरी

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद शहर में ई-रिक्शा चालकों की लापरवाही से सड़क हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। रविवार सुबह कादरी गेट चौराहे के पास पांचाल घाट मार्ग पर तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने दूध से लदी ठेली में टक्कर मार दी। हादसे में ठेली पर रखा करीब एक कुंतल दूध सड़क पर फैल गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटनास्थल से चंद कदम की दूरी पर पुलिस चौकी होने के बावजूद मौके पर पुलिसकर्मी नजर नहीं आने को लेकर सवाल उठे।जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 8-30 बजे लकूला की ओर से आ रहे एक कर्मचारी की चार पहिया ठेली पर मिठाई विक्रेता का दूध रखा था। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने ठेली में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ठेली पलट गई और उस पर रखा दूध सड़क पर बह गया।

बताया गया कि पीछे से आ रहे एक अन्य ई-रिक्शा की भी ठेली से टक्कर हुई। हादसे के बाद पहले ई-रिक्शा का चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। वहीं, दूसरे चालक के साथ भीड़ द्वारा मारपीट किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।चंद कदम दूर चौकी, इंचार्ज को घटना की जानकारी नहींघटना कादरी गेट पुलिस चौकी के पास हुई। इसके बावजूद मौके पर पुलिसकर्मी दिखाई नहीं देने की बात सामने आई। चौकी इंचार्ज केके कश्यप ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। ऐसे में हादसे के बाद पुलिस की सक्रियता और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।शिक्षक की मौत के बाद भी नहीं थम रहे हादसेगौरतलब है कि तीन दिन पहले आवास विकास क्षेत्र में कादरी गेट थाने के सामने ई-रिक्शा की टक्कर से भारतीय पाठशाला के शिक्षक संजीव त्रिवेदी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह घर से दूध लेने के लिए सड़क पार कर रहे थे। हादसे के बाद उन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां हालत बिगड़ने पर लखनऊ रेफर किया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।लगातार हो रहे हादसों के बीच शहर में ई-रिक्शा चालकों की तेज रफ्तार, यातायात नियमों की अनदेखी और नाबालिगों के वाहन चलाने की शिकायतें भी उठ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तथा नियम तोड़ने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि हादसों पर अंकुश लग सके।

चेक से भुगतान का भरोसा देकर दो मोबाइल फोन लेकर की धोखाधड़ी, नटेरन पुलिस ने आरोपी को भोपाल से गिरफ्तार कर दोनों मोबाइल किए बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ दिनांक 14 सितंबर 2026 को फरियादी संजीव कुशवाह निवासी ग्राम नटेरन ने थाना नटेरन में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 10 सितंबर 2026 को एक व्यक्ति उनकी दुकान से दो मोबाइल फोन खरीदकर भुगतान के लिए चेक देकर चला गया। बाद में बैंक से जानकारी लेने पर संबंधित खाते पर साइबर होल्ड होना पता चला। इस प्रकार आरोपी ने चेक से भुगतान होने का भरोसा दिलाकर दो मोबाइल फोन प्राप्त कर फरियादी के साथ धोखाधड़ी की।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नटेरन में अपराध क्रमांक 253/2026, धारा 318(4), 316(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस की कार्रवाई- पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन में आरोपी की तलाश के लिए थाना स्तर पर दो पुलिस टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर भोपाल में आरोपी की तलाश की। विवेचना के दौरान आरोपी की पहचान मृदुल राजपूत पिता प्रेमशंकर राजपूत, निवासी झुग्गी बस्ती, डॉ. अंबेडकर नगर, भोपाल के रूप में हुई। पुलिस टीम ने दिनांक 09 अक्टूबर 2026 को आरोपी को बैरागढ़ (संत हिरदारामनगर), भोपाल से पकड़ा। आरोपी की निशानदेही पर धोखाधड़ी कर प्राप्त किए गए दोनों मोबाइल फोन बरामद किए गए। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्रवाई में निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार (थाना प्रभारी नटेरन), उपनिरीक्षक गौरव रघुवंशी, प्रधान आरक्षक रोहित रेकवार (सायबर सेल विदिशा), प्रधान आरक्षक नरसिंह यादव, आरक्षक धर्मेन्द्र अहिरवार, यशपाल निगम, फूलसिंह शाक्य एवं सूरज बघेल की सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

फर्रुखाबाद GRP ने शातिर हिस्ट्रीशीटर को दबोचा, चोरी के 4 एंड्रॉयड मोबाइल बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर जीआरपी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट और आबकारी अधिनियम जैसे मामलों में संलिप्त एक शातिर हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी के चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई जा रही है। दरअसल, रेलवे स्टेशनों और चलती ट्रेनों में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम को लेकर जीआरपी पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में फर्रुखाबाद जंक्शन पर पुलिस टीम चेकिंग और गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर प्लेटफॉर्म नंबर 4 और 5 के बाद फतेहगढ़ साइड रेलवे पटरियों के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नासिर उर्फ मोहम्मद आमीन, निवासी कानपुर नगर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से अलग-अलग कंपनियों के चार चोरी के एंड्रॉयड मोबाइल बरामद हुए हैं। बरामद मोबाइल की अनुमानित कीमत करीब 60 हजार रुपये है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ फर्रुखाबाद और कानपुर समेत अलग-अलग थानों में चोरी, नकबजनी, चोरी का माल रखने, आर्म्स एक्ट और आबकारी अधिनियम से जुड़े कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं। जीआरपी पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रही है फिलहाल जीआरपी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश शर्मा, उपनिरीक्षक संजीव कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे

सूबे के मुखिया व राजस्व प्रशासन भिनगा को अंगूठा दिखा रहा प्रधान भंगही लक्ष्मी शरण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार यादव/ श्रावस्ती विकासखंड हरिहरपुर रानी ग्राम सभा भंगही का मौजूदा प्रधान लक्ष्मी शरण योगी सरकार के आदेशों का उल्लंघन करते हुए आज फिर उसने सारी हदें पार कर दी गाटा संख्या 544 पर पहले ही उसके पुत्र इंद्र बहादुर के ऊपर धारा 67 की कार्रवाई न्यायालय श्रीमान न्यायिक तहसीलदार के यहां से पक्के मकान पर बेदखली के आदेश हो चुके हैं दूसरी तरफ खुद लक्ष्मी शरण गाटा संख्या 544 जोकि राजस्व अभिलेख में चकमा दर्ज है ग्रामीणों द्वारा बताया गया लगभग एक जरीब का रास्ता है अपनी प्रधानी के हनक में मकान बनवाने के लिए उसने रास्ते पर जेसीबी चलवा दी राजस्व प्रशासन भिनगा तत्काल संज्ञान लेकर तत्काल कार्यक्रम रुकवा कर मौजूदा प्रधान पर कार्रवाई करना अति आवश्यक है एक तरफ उसका लड़का सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचती है तो दूसरी तरफ मौजूदा प्रधान लक्ष्मी शरण सरकारी रास्ते को खुदवा कर पक्का मकान बनवाने के फिराक में है

मूर्ति विसर्जन को लेकर श्रावस्ती पुलिस अलर्ट जुलूस मार्ग पर एरिया डोमिनेशन

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार यादव/ श्रावस्ती आगामी मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम को सकुशल शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में क्षेत्र अधिकारी भिनगा आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना भिनगा एवं थाना मल्हीपुर के संयुक्त मूर्ति विसर्जन जुलूस मार्ग नकही धर्म नगर लखैया सिमरहनिया पर एवं स्थानीय पुलिस बल के साथ एरिया डोमिनेशन किया गया इस दौरान पुलिस बल द्वारा निर्धारित जुलूस मार्ग एवं आसपास के क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सतर्कता बढ़ई गई साथ ही स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा सभी के आपसी सौहार्द शांति एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की गई श्रावस्ती पुलिस द्वारा आगामी त्यौहार की दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने एवं जनपद में शांति कानून व्यवस्था कायम रखने हेतु निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है

Health Matter: Is Fat Accumulating in the Liver? How to Detect It

Fatty liver is a condition in which excessive fat accumulates in the liver cells. In the early stages, it doesn't show obvious symptoms. Obesity, diabetes, and high cholesterol increase the risk.

Proper diet and regular exercise can help maintain a healthy liver. The liver is one of the most vital organs in our body. It works day and night to digest food, process nutrients, store energy, and remove harmful substances from the body. However, health experts say that the increasing disruption in people's eating habits and lifestyles has seriously harmed liver health. This is why a large number of young people in India are being diagnosed with fatty liver. In a recent report published in Amar Ujala, we reported that a growing number of children are also suffering from the problem of fat accumulation in the liver. At the World Gastroenterology Congress 2026, experts reported that the prevalence of fatty liver disease in Indian children is estimated to be 35.4%. When excessive fat accumulates in liver cells, its function can be affected. The worrying thing is that in the early stages, symptoms often go unnoticed. So, how can you know if you've become a victim? Health experts say that since fatty liver doesn't show obvious symptoms in the beginning, most people only discover the disease when they get a blood test or ultrasound for other problems. Studies have found that conditions like obesity, diabetes, high cholesterol, and lack of physical activity increase the risk of this disease. Are there any signs that can help detect fatty liver? What are the symptoms of fatty liver? Health experts say that fatty liver usually doesn't have any obvious symptoms in the early stages. However, some people may experience persistent fatigue, weakness, or pain or discomfort in the upper right abdomen due to liver problems. Although these symptoms are also seen in other abdominal conditions, these symptoms alone don't confirm fatty liver. As fatty liver disease or liver problems progress, jaundice, swelling in the abdomen or legs, or digestive problems increase. If you've been experiencing these problems for some time, get tested promptly. How to diagnose liver fat? To diagnose fatty liver, doctors assess your medical history, weight, diabetes, and other risk factors. Liver function tests check blood levels of enzymes like ALT and AST. Elevated levels can indicate liver problems. Doctors may also recommend an ultrasound to detect fat accumulation in the liver, allowing for a more accurate assessment of the condition. Now, learn what to do to prevent fatty liver? Doctors consider dietary and lifestyle modifications to be crucial for reducing the risk of fatty liver. If you're overweight, losing weight can be beneficial. Limit your intake of processed foods, including sweets and fried foods, as these can worsen liver problems. Include a diet rich in green vegetables, fruits, whole grains, and adequate protein. Regular physical activity helps control your weight, diabetes, and cholesterol, which can reduce the risk of fat accumulation in the liver.

Caution: Any problem with this organ can increase digestive and sugar problems, but people often ignore it.

The pancreas produces enzymes that digest food and hormones that regulate blood sugar. Inflammation or other problems can lead to abdominal pain, diarrhea, weight loss, and in some cases, diabetes.

To maintain a healthy body, all organs need to function properly. Although, when we think of body parts, the heart, lungs, kidneys, and liver are the first things that come to mind. But did you know that some organs in our body perform multiple vital functions simultaneously? The pancreas is one such organ. This small organ, located behind the stomach, plays a crucial role in digesting food and controlling blood sugar levels. Health experts say that lifestyle and dietary irregularities have adversely affected the health of the pancreas, along with other organs. Are you a victim of this? Proper functioning of the pancreas is essential. When we eat, the pancreas produces enzymes that aid digestion. These enzymes help break down fats, proteins, and carbohydrates in food. Furthermore, the pancreas also produces hormones like insulin and glucagon, which help maintain blood sugar. Inflammation, injury, or other problems in this organ can affect everything from digestion to controlling blood sugar. This is why health experts recommend taking measures to keep the pancreas healthy, just like the heart and liver. What functions does the pancreas perform in the body? The pancreas is a gland located behind the stomach that controls digestion and hormones. It produces digestive enzymes that reach the small intestine and help digest food. Furthermore, the pancreas also produces bicarbonate, which helps neutralize acid that reaches the small intestine from the stomach. The pancreas produces hormones such as insulin and glucagon. Insulin helps transport glucose from the blood to the body's cells, while glucagon plays a role in increasing sugar levels when needed. Therefore, problems with the pancreas can affect both digestion and sugar levels. Effect of pancreatic problems on digestion: If the pancreas doesn't produce enough digestive enzymes or if the enzymes don't reach the small intestine properly, food digestion can be affected. This condition is called exocrine pancreatic insufficiency. Fat digestion can be particularly affected. This can cause bloating, gas, diarrhea, and weight loss. Long-term poor absorption of nutrients can also lead to deficiencies in vitamins A, D, E, and K. Effect on blood sugar: The insulin-producing cells of the pancreas play a crucial role in controlling blood sugar levels. If there is a problem with the pancreas, insulin production can be affected, making it difficult to control blood sugar. In the long term, this can increase the risk of developing diabetes. Diabetes caused by pancreatic disease is also known as type 3C diabetes. It can develop after chronic pancreatitis, pancreatic surgery, or certain other conditions. Pancreatic problems can cause pain in the upper abdomen, nausea, and vomiting. Sudden, severe abdominal pain accompanied by vomiting may be a sign of pancreatitis. In such cases, it is very important to consult a doctor promptly.

Health Matter: Why is Vitamin B-12 deficiency more common in vegetarians? When should you be cautious?

Vitamin B-12 is essential for the formation of red blood cells and maintaining healthy nerves. Inadequate dietary intake of B-12 can increase the risk of deficiency. Milk, yogurt, fortified foods, and supplements as needed can help reduce the risk of various diseases.

Numerous studies have shown that simply improving our diet can help reduce the risk of many diseases. A nutritious diet easily provides the body with essential nutrients necessary for proper functioning. People often complain of nutritional deficiencies despite eating home-cooked meals. Recent reports indicate that a significant number of Indians suffer from vitamin B-12 deficiency. This vitamin is essential for the formation of red blood cells and maintaining healthy nerves. Deficiency can lead to fatigue, weakness, tingling in the hands and feet, and memory problems. Medical reports indicate that vitamin B-12 deficiency is particularly prevalent among those who follow a vegetarian or vegan diet. The question now is why vegetarians are deficient, and how can it be supplemented? First, understand why vitamin B-12 is important. Vitamin B-12 helps the body produce red blood cells and DNA, as well as the proper functioning of the nervous system. A deficiency can disrupt the body's production of healthy red blood cells, leading to a condition called megaloblastic anemia. Vitamin B-12 deficiency can cause fatigue, weakness, shortness of breath, or dizziness. Some people may also experience tongue pain, numbness in the hands and feet, and difficulty maintaining balance while walking. Why might vegetarians be deficient? Vitamin B-12 is primarily found in animal-based foods. Therefore, vegetarian and vegan diets may be at risk for deficiency. Vegetarians can get vitamin B from milk, yogurt, cheese, and eggs. Fortified foods can also supplement vitamin B12. Vegetarians have fewer dietary sources of vitamin B12 than non-vegetarians. Besides dietary sources, the body's absorption of this vitamin is also important. Certain stomach or intestinal diseases, aging, and certain medications can also cause B12 deficiency. When to be cautious: If you experience persistent fatigue, weakness, tingling in your hands and feet, or memory problems, consult a doctor and get tested. If the deficiency is due to a lack of B12 in your diet, supplements and dietary changes may help. However, if the body is unable to absorb the vitamin properly, your doctor may recommend other treatment methods. Taking supplements for a long time without proper testing can sometimes be harmful.

A comedian's joke about caste and accent backfires, angering fans.

Comedian Gaurav Gupta is currently facing intense trolling on social media. In a video, he mocks a woman. Comedian Gaurav Gupta is currently in the news. A video from his stand-up show is rapidly going viral on social media, sparking controversy. In the video, Gaurav refers to a woman sitting in the audience as "Yadavni," based on her surname, Yadav. The woman stated that she disliked being called that name, but Gaurav continued to question her. The comedian then commented on her accent, school, and lifestyle. Many people alleged that the comedian publicly embarrassed her in the name of a joke. What's the whole matter? In the viral video, Gaurav first asks the woman's name and then calls her "Yadavni." The woman acknowledges this, but says she doesn't like being called that name. Gaurav expresses surprise and asks, "Isn't that your cultural roots?" The woman replies, "I don't like to hear that." Gaurav then comments on the woman's husband, saying, "Your husband is a Baniya." He then questions the woman's accent, asking if she's from abroad or Gurugram. Upon learning that the woman is from Gurugram, Gaurav replies, "If you're from Gurugram, why do you have such an attitude?" Mocking her accent, he says, "Your accent sounds like you came straight from Oxford." Gaurav then asks the woman about her school. The woman reveals that she studied at Pathway School. Gaurav jokes about the school and her accent. As the conversation progresses, Gaurav asks her about her work. He mimics her English and comments on her lifestyle. He also questions whether the woman is financially dependent on her husband. At one point, Gaurav says, "You're currently living off your husband's money? Oh my God, then what's the point of that accent?" He advises the woman to work in a call center, saying that she's wasting her potential by becoming a housewife. In the video, he also makes several comments about the woman's speaking style and household chores. Criticism on social media: Many people expressed displeasure over the video, including senior IPS officer Arun Bothra. He questioned the way the audience was targeted. Arun Bothra wrote on Instagram, "If your comedy depends on insulting someone in the audience to make others laugh, then it's not sensible comedy. It takes talent to make people laugh. It's easy to target one person." The best joke is one that makes everyone laugh, including the person being joked about. Another user said that Gaurav's behavior became more offensive after the woman expressed her displeasure at being called "Yadavni." Some criticized the comedian, saying that he repeatedly jokes about caste, speech patterns, and social background. One user described the conversation as harassment rather than comedy. The user said that one should not make fun of someone because of their different way of speaking or lifestyle. Some people defend Gaurav - However, not everyone is criticizing Gaurav over this controversy. Some viewers defended him, saying that people who attend his shows are familiar with his style of comedy and should be aware that there may be sharp jokes during impromptu conversations. One user compared attending a comedy show to watching a cricket match, saying that audiences should be aware of the artist's style before attending a show. Another viewer said that while some comedians use profanity and personal comments to make jokes, Gaurav is still better than many others. This entire controversy has once again raised questions about the limits of crowd-work comedy, especially when the jokes involve caste, speech patterns, profession, or personal life. Gaurav's supporters consider these things part of his outspoken comedy, while critics say that it is not right to publicly embarrass someone and make them laugh.

Did the actress respond to critics? She listed the downsides of paying too much attention to social media.

Katrina Kaif, after being targeted for her post-pregnancy weight gain, has spoken about social media. She explained the harm that can be caused by paying too much attention to what people say. Actress Katrina Kaif recently spoke about protecting herself from social media backlash. She emphasized that confidence comes from accepting oneself, not from trying to please everyone. The actress explained how focusing too much on criticism can prevent one from moving forward in life. What did the actress say about social media? During an event in the UK to celebrate the first anniversary of her cosmetic brand, Katrina said, "We should be careful not to let the chatter on social media affect our self-worth. There are so many opinions out there." If you start following everyone, you won't be able to make decisions for yourself. The actress said that reacting to what others say can hinder one's progress. She said, "There are times when the world praises you, at other times you really have to be your own biggest cheerleader." Katrina advised accepting life's many phases. She acknowledged that self-confidence and self-image don't always align. Sometimes people feel their best, while at other times, they may struggle to feel good about themselves. The actress was criticized. The actress made these comments after a video of her recently attending the Ambani family's Ganesh Chaturthi celebrations with husband Vicky Kaushal went viral, in which she faced criticism for her post-pregnancy weight gain. Salman Khan supported Katrina. Many actors, including Salman Khan, came forward in support of Katrina. During the "Weekend Ka Vaar" episode of "Bigg Boss," Salman Khan criticized the culture of constantly criticizing celebrities about their bodies, age, looks, and personal lives. He also addressed Katrina Kaif's post-pregnancy weight gain. Without naming Katrina Kaif, the superstar said, "She will be fit when she returns to films." Katrina Kaif married Vicky Kaushal in 2021 and welcomed son Viaan in 2025.

Bigg Boss 20 Controversy: Did Aman make a controversial statement about Qazi? Users are divided; the actor's team has issued a clarification.

Salman Khan's show "Bigg Boss 20" is in the news. Every day, something or the other happens that becomes a topic of discussion. The latest incident involves Qazi Tauqeer, which is being debated on social media. - Bigg Boss 20 contestant Aman Gandhi's comment, "You are increasing the population," about fellow contestant Qazi Tauqeer has sparked a debate on social media. Some viewers have accused the actor of making communal remarks. However, Aman's team has rejected these allegations, saying that his comments are being misrepresented. Did Aman make a controversial statement? - The controversy occurred during a task inside the reality show. Several contestants, including Scout and Young, questioned Qazi about not apologizing to Kanika Mann for his "lollipop joke." During the debate, Scout accused Qazi of spitting on him. The argument escalated, and Qazi also got into an argument with Young and Aman. While speaking with Qazi, Aman made a comment about population growth, which earned him criticism. What is the controversial statement? Aman said, "You're making people pregnant by blowing smoke from your mouth. You're increasing our country's population. Don't make the population like you." Users' opinions on the statement are divided. A clip of this conversation has gone viral on social media, eliciting mixed reactions from users. Some have interpreted the comment as a reference to conservative thinking regarding the Muslim population growth. They allege it was veiled in religious sentiment. Others argue that the comment was made in the context of the gameplay and the ongoing debate. Users' demands for Salman Khan: Many users on social media criticized Aman for this comment, and some demanded that the show's host, Salman Khan, address the issue. One viewer alleged that the comment was communal, while another said it was insensitive and inappropriate on such a widely watched TV show. However, not everyone agreed. Some viewers defended Aman, arguing that his comments were being misrepresented. Aman's team issued a statement - Aman Gandhi's team has responded to the controversy. According to the team, Aman's comments were about Qazi's behavior and strategy during the game, specifically the way he presented himself to other contestants in the early weeks of the show. The statement said that Aman respects all religions and dismissed the allegations against him as a false attempt to give his comments a communal twist. It also urged viewers to pay attention to the context of the conversation rather than drawing conclusions from the viral clip.